मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHN–003

एम. ए. (हिन्दू अध्ययन) (एम. ए. एच. एन.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एच.एन.-003 : ज्ञानमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

*(iii) हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी **अथवा** संस्कृत में से किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *अधोलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* 3×20=60

1. स्वत: प्रामाण्यवाद तथा परत: प्रामाण्यवाद का विवेचन कीजिए।

2. वैदिक आख्यानों के प्रामाण्य की परीक्षा कीजिए।

3. पौराणिक आख्यानों के प्रामाण्य की परीक्षा कीजिए।

4. कथा के प्रकारों की व्याख्या सहित कथा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

5. अर्थापत्ति तथा अनुपलब्धि प्रमाण की विवेचना कीजिए।

6. केवलान्वयी तथा केवलव्यतिरेकी अनुमानों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. अनुबंध चतुष्टय किसे कहते हैं ? व्याख्या कीजिए।

2. प्रत्यक्ष प्रमाण की परिभाषा द्वारा उसके स्वरूप को विवेचित कीजिए।

3. आयुर्वेदशास्त्र में प्रमाण के अनुप्रयोग की परीक्षा कीजिए।

4. तत्व विवेचन में शब्द-प्रमाण की उपादेयता का विवेचन कीजिए।

5. भारत में वाद-परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालिए।

6. अभिनवगुप्त कृत प्रमाण सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

7. उपमान प्रमाण पर प्रकाश डालिए।

× × × × ×